



# आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

## ભાગ II—ખણ્ડ 3—ઉપ-ખણ્ડ (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

**प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY**

सं. 201]  
No. 201]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 13, 2005/वैशाख 23, 1927  
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 13, 2005/VAISAKHA 23, 1927

## संचार एवं सञ्चना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(डाक विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 2005

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय डाकघर (.....संशोधन) नियम, 2005 है।  
 (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - भारतीय डाकघर नियम, 1933 में —

(i) नियम 17-के उपनियम (1) में विद्यमान स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्—  
 “स्पष्टीकरण.—मुद्रण पद से मुद्रण के रूप में पहचानी जा सकने वाली कोई चीज या एक जैसी अनेक प्रतियां, जिनके अंतर्गत पुस्तक या पुस्तकों सहित या उनके बिना कॉम्पैक्ट डिस्क या फ्लापी पर पुस्तक या पुस्तकें भी हैं, उत्पादित करने के लिए सामान्यतः में लाई जाने वाली ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया अभिप्रेत हैं किन्तु इसके अंतर्गत टंकणलेखन, किसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा निकाली गई कार्बन प्रकार्प्टर मद्रण, फोटो कार्पिंग या ऐसी ही कोई प्रक्रिया सम्मिलित है।”

(ii) नियम 17-के उपनियम (1) में खंड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—  
 “(ज) ऐसे पुस्तक पैकेटों में कोई मुद्रित पुस्तक या पुस्तकों सहित या उनके बिना कॉम्पैक्ट डिस्क या फ्लापी पर कोई पुस्तक या पुस्तकों डाक द्वारा पारवण के लिए तभी स्वीकार की जाएंगी जब वे इस प्रयोजन के लिए सर्किल प्रमुख द्वारा अभिहित डाकघर में प्रस्तुत की जाती हैं, और दाक में भेजने के लिए प्रदत्त किए गए ऐसे कैटर पार ग्राम में पार द्वारा दे दिये जाएं।”

[फा सं 1-3/2005-हाक्यम]

अंजु दास गप्ता, विरिल डप महानिदेशक (पीओ पंड आर्ट)

**टिप्पणी:**— मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं 290 आईएमआर/32 तारीख 30 मार्च, 1933 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संस्करण सा.का.नि. 7(अ) तारीख 3 जनवरी, 2002 द्वारा किए गए।

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Posts)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 2005

**GSR 292(E).**—In exercise of powers conferred by Section 74 of Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office, Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (.....Amendment) Rules, 2005.  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Post Office, Rules, 1933,—
  - (i) in rule 17-A, in sub-rule (1), for the existing Explanation the following Explanation shall be substituted, namely:—

“Explanation.—The expression printing means anything capable of being recognized as printing or any mechanical process ordinarily used to produce a number of identical copies including the book or books on compact disk or floppy with or without printed book or books but does not include type writing, carbon copies processed by any mechanical process, Computer printing, photocopying or any similar process.”
  - (ii) in rule 17-A, in sub-rule (1), after clause (g) the following shall be inserted, namely:—

“(h) No book or books on compact disk or floppy with or without any printed book or books in such book packets shall be accepted for transmission by post unless they are presented in the Post Office designated by the Head of the Circle for this purpose and such packets presented for posting are not less than one thousand at a time.”

[F. No. 1-3/2005-P O]

ANJUDASGUPTA, Sr. Dy. Director General (PO&amp;I)

**Note:**— The Principal rules were published in the Gazette of India, part-II, Section-3, Sub-Section (i) *vide* Notification No. 290 IMR/32 dated New Delhi the 30th March, 1933 and last amended by GSR. 7(E), dated 3rd January, 2002.